बिकॉर्पोरिल गर्भाशय (Bicorporal uterus)

रोगी सूचना श्रृंखला - आपको क्या जानना चाहिए, आपको क्या पूछना चाहिए।

बाइकॉर्पोरियल यूटेरस क्या है?

बाइकोर्पोरियल गर्भाशय की यह विशेषता है कि गर्भाशय के शीर्ष पर लगभग मध्य में फन्डसँ पर एक बाहरी इंडेंटेशन होता है जो गर्भाशय की दीवार की मोटाई से 50% से अधिक है। इस इंडेंटेशन के द्वारा सामान्यतः गर्भाशय (कॉर्पस), कभी-कभी गर्भाशय ग्रीवा और/या योनि आंशिक या पूर्ण रूप से दो हिस्से में विभाजित हो जाती है ।

सेप्टेट गर्भाशय में भी मध्य रेखा स्तर पर एक आंतरिक इंडेंटेशन /झिल्ली होती है जो गर्भाशय को विभाजित करता है।

बाइकोर्पोरियल गर्भाशय कैसे होता है?

बाइकोर्पोरियल गर्भाशय असामान्य है। ऐसा तब होता है जब विकासशील भ्रूण में युग्मित मुलेरियन वाहिनी संरचनाओं का विलय विफल हो जाता है।

बाइकोर्पोरियल गर्भाशय का निदान कैसे किया जाता है?

प्रजनन जांच के दौरान गर्भाशय के आकार और रूपरेखा में संरचनात्मक अंतर की जानकारी मिल जाती है । सटीक निदान और सही वर्गीकरण उचित परामर्श में मदद करता है। अल्ट्रासोनोग्राफी, हिस्टेरोसाल्पिंगोग्राम और एमआरआई जैसे इमेजिंग उपकरण गर्भाशय में विभिन्न संरचनात्मक अंतरों की गैर-आक्रामक रूप से जांच और वर्गीकरण कर सकते हैं। जबकि पारंपरिक 2डी ट्रांसवजाइनल अल्ट्रासाउंड और एचएसजी को अच्छी स्क्रीनिंग पद्धतियां माना जाता है, 3डी टीवीएस और एमआरआई जन्मजात विसंगतियों का सटीक निदान कर सकते हैं।

बाइकोर्पोरियल गर्भाशय गर्भावस्था को कैसे जटिल बना सकता है?

समय से पहले प्रसव बाइकोर्पोरियल गर्भाशय से जुड़ी सबसे आम जटिलता है। इन महिलायों में प्रसवोत्तर अत्यथिक रक्तस्राव की संभावना होती है।यह विसंगति पहली गर्भावस्था में भी गर्भाशय के फटने का कारण हो सकती है। गुर्दे की विसंगतियों का गर्भाशय की इन विसंगतियों के संबंध के कारण, महिला को गर्भावस्था के दौरान उच्च रक्तचाप का खतरा अधिक होता है।

बाइकोर्पोरियल यूटेरस की अन्य जटिलताएँ क्या हैं?

यद्यपि बाइकोर्नुएट गर्भाशय एंडोमेट्रियल कैंसर के लिए एक स्वतंत्र जोखिम कारक नहीं है, लेकिन असामान्य गर्भोशय संरचना के साथ इस आबादी में एंडोमेट्रियम में कैंसर का पता नहीं चल पाता है। यदि स्वस्थ गर्भाशय गुहा से लिया जाता है, तो बायोप्सी गलत-नकारात्मक परिणाम दे सकती है, जिससे निदान में देरी हो सकती है और रोगी का पूर्वानुमान बिगड़ सकता है।

25% मामलों में एक अनुदैर्ध्य झिल्ली योनि मार्ग में मौजूद होता है जो मासिक धर्म प्रवाह में बाधा उत्पन्न करने वाले लक्षण या दर्दनाक संभोग का कारण बन सकता है। सबसे आम दोष एक किडनी की अनुपस्थिति है,तथा इसे "रीनल एजेनेसिस" कहा जाता है।

बिकॉर्पोरिल गर्भाशय (Bicorporal uterus)

रोगी सूचना श्रृंखला - आपको क्या जानना चाहिए, आपको क्या पूछना चाहिए।

बाइकोरपोरियल गर्भाशय का प्रबंधन कैसे किया जाता है**?**

दो सींग वाले गर्भाशय वाले रोगी के प्रबंधन का निर्णय रोगी की प्रस्तुति के अनुसार प्रासंगिक होता है। यदि कोई महिला अपनी गर्भावस्था के दौरान नियमित मूल्यांकन के लिए उपस्थित होती है, तो उसे दो सींग वाले गर्भाशय का निदान मिलता है, तो प्रसवपूर्व जन्म जैसी प्रसूति संबंधी जटिलताओं को रोकने के लिए प्रसवपूर्व निगरानी किया जाता है।
एक मरीज को पूर्व में गर्भधारण में बार-बार गर्भपात या समय से पहले प्रसव का इतिहास भी हो सकता है। ऊपर उल्लिखित प्रस्तुति की अवस्था मे गर्भाशय का स्ट्रैसमैन मेट्रोप्लास्टी के द्वारा सर्जिकल एकीकरण किया जा सकता है।

Last updated 2024